फणीश्वर नाथ रेणु की कथा साहित्य पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज में हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग के हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा "फणीश्वर नाथ रेणु के कथा साहित्य में लोक जीवन'' विषय पर 19/03/2021 को वेब संगोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के द्वारा आयोजित किया गया | कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. गुरमोहिन्दर सिंह जी ने अपनी स्वागत वक्तव्य से किया। मंच संचालन मंथन की संयोजक डॉ.शैलजा ने किया। 'मंथन' की उपाध्यक्ष कमलजीत कौर ने फणीश्वर नाथ रेणु के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संगोष्ठी को आगे बढ़ाया। संगोष्ठी के प्रथम मुख्य वक्ता डॉ.जीवन सिंह जी ने फणीश्वरनाथ रेणु के साहित्य के हर पहलू से परिचित कराया। जैसे - आदिम रात्रि की महक, ठुमरी, अग्निखोर, रसप्रिया व उनकी सबसे महत्वपूर्ण कहानी 'तीसरी कसम' से। साथ ही रेणु के उपन्यासों को भी बहुत सुंदर तरीके से बताया कैसे "मैला आंचल" उपन्यास से रेणु जी को हिंदी साहित्य जगत में ख्याति मिली। "मैला आंचल" के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया। हमारी दूसरी वक्ता प्रो.कुमुद शर्मा जी हिंदी विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय से थीं। प्रो.कुमुद शर्मा जी ने श्रोताओं को फणीश्वर नाथ रेणु के बारे में विस्तार से परिचित कराया। प्रो.कुमुद जी ने रेणु जी के मानवीय संवेदना, "मैला आँचल", ग्रामीण जीवन की लोक संस्कृति पर रचनाएं, आंदोलनों में भाग लेना, इन सभी को विस्तार से बताया। संगोष्ठी के अंत में हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ. दीपमाला जी ने वक्ताओं का तहे दिल से धन्यवाद किया कि वे अपना कीमती समय निकालकर यहां आए और रेणु जी के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस वेब संगोष्ठी में हिंदी व हिंदी पत्रकारिता विभाग के सभी शिक्षकगण व विद्यार्थी मौजूद रहे।